

हिन्दुस्तान

विकास पर हावी ठेकेदारी की जंग

कांटी क्षेत्र के लिए अभिशप्त बना कांटी थर्मल

बरसाती मेढ़क हैं अन्य उम्मीदवार : विधायक

मैं तो अब भी विधायक हूं: अजीत

राजद विरोधी मतो का विभाजन तय

1952 से अब तक

हिन्दुस्तान

विकास पर हावी ठेकेदारी की जंग

सम्राट कुमार

कमीशन के चक्कर में गोल

56, कांटी विधान सभा क्षेत्र में 2005 में होने वाले विधानसभा चुनाव की रणभेड़ी बज गयी है। किंतु विकास का मुद्दा शायद ही किसी की प्राथमिकता है। 35 पंचायत, दो प्रखंड 'कोटी एवं मड़वन एक नगर पंचायत के क्षेत्रफल वाले कांटी विधानसभा में विकास पर शुरू से हीं ठेकेदारी की जंग हावी रहा है। इस कारण विकास की गाड़ी अटकते-अटकते ही चल पाती है। यही कारण है कि यहां अधिकारीयों को कमीशन खोरी हावी है और न देने पर सब गोल होता है । 'संपूर्ण बिहार की भौगोलिक स्थिति को छोटे स्तर पर अपने में समेटे कांटी क्षेत्र का सात पंचायत जहां साल में एक बार बाठ की विभिषका, शेष पंचायत सुखाड़ की चपेट में रहना प्रकृति की नियती बन गया है। दूसरी ओर जल जमाव की समस्या तो अमूमन हरेक पंचायत का सिरदर्द बन गया है । अस्सी प्रतिशत कृषि आबादी वाले इस क्षेत्र में आजादी के बाद से अब तक कोई ऐसा प्रतिनिधि नहीं मिला जो किसानों की समस्या को सुलक्षा सके। कहने को तो क्षेत्र तिरहुत मुख्य नहर की शाखा हर जगह पर है। किंतु वास्तविकता यह है कि नहरों मे जगह-जगह क्षतिग्रस्त होने से कही जल जमाव तो कहीं एक बूंद पानी भी नही मिलता है। सरकारी व्यवस्था द्वारा कृषि के लिए खाद्ध, बीज उपकरण की व्यवस्था एवं खाधान क्रय केन्द्र तो यहां सपनों की बात बनी रहती है। क्षेत्र के मड़वन प्रखंड अन्तर्गत बड़हा गांव- चौर जिसका लगभग तीन हजार एकड़ सिंचीत भूमि गत तीस वर्षो से जल- जमाव से सैकड़ो किसान परिवार को निजात दिलाने वालो का इंतजार लोगो को बना है। कृषि के बाद सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल एवं जनवितरण भी काफी गंभीर समस्या क्षेत्रीय लोगो के लिए है। प्रखंड मे शायद ही कोई ऐसा तीन-चार पक्की सड़क है जिसे चलने योग्य माना जा सकता है। अन्यथा सड़क के नाम पर गड्ढे भरी मड़के कांटी क्षेत्र की पहचान बन चुके है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांटी प्रखंड मुख्यालय की ओर जाने वाली सभी

सड़कों को देखने पर

आम आदमी यह सोचने पर विवश जाता है कि यहां गड्ढे में सड़क है या सड़क में गड्डा । देहाती सड़को की बा ही इसे परिलक्षित करती है। क्षेत्र में

प्रखंड मुख्यालय जाने

लगभग डेढ़ दर्जन ऐसे गांव या कस्बे के लोग आज भी शुद्ध पेयजल के अभाव में परपंरागत जल स्त्रोतो यथा कुआ, तालाब उपयोग में लाते है । क्षेत्र

मैं शिक्षा व्यवस्था के तहत 214

प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय है। इनमें 75 से 90 विद्यालयों में 200-300 छोत्रों को पढ़ाने के लिए एक शिक्षक, 40-60 विद्यालयों में दो शिक्षक एवं 13 विद्यालय में तो एक भी शिक्षक नही है। स्वास्थ्य व्यवस्था के तहत क्षेत्र में एक प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र एवं 30 स्वास्थ्य उपकेन्द्र है। किंतु अधिकांश उपकेन्द्र धरातल पर कम कागजों में ज्यादा चलते है।

75 से 90 विद्यालयों में 200-300

क्षेत्र में विकास नही होने का सबसे बड़ा कारण ठेकेदारों की जंग हमेशा से रही है। सत्ता परिवर्तन के साथ ही जनप्रतिनिधि का परिवर्तन और जनप्रतिनिधि के साथ लगे कायर्कता का चुनाव जीतने के साथ ही अभिकर्त्ता में परिवर्तन इसका मूल कारण रहा है। इसपर अगर विधायक ने कोई विकास कार्य की स्वीकृति दे दी तो उसपर ठेकेदारी के लिए समर्थको में जंग शुरू हो जाती है। परिणामतः जनप्रतिनिधि अपने वोट बैंक की खातिर उक्त विकास योजना की हीं ठंडे बस्ते में डाल देते है।गरीबों को दिये जाने वाले इंदिरा आवास भी

विकास की जो धारा मैंने बहाई

उसे लक्ष्य तक पहुंचाना ही मेरी मंजिल है।

गुलाम जिलानीवासी राजद विधायक कांडी विधानसभा

जनसहयोग से से सर्वागींण

व कमीशन खोरी के कारण धरातल ★ बजाए कागजों में बनकर तैयार हो ता है। वस्तुतः ठेकेदारी की जंग मे धिकारी अपनी रोटी सेंक तो लेते है।

वाल, सड़क का हाल

जनता विकास का सपना देखती है और नेता- ठेकेदार एवं अधिकारी स्वयं विकास के नारो को हकीकत मे तब्दील कर लेते है ।

अर्न्तकलह बुझा सकती

है राजद की लालटेन

कांटी विधानसभा चूनाव में क्षेत्रीय राजद संगठन के भीतर मची भारी अर्न्तकलह आसन्न विधानसभा चूनाव 2005 में राजद की लालटेन बुझा सकती है। विधानसभा राजद में विधायक गुलाम जिलानी वारसी के सर्मथको एवं असंतृष्टो को बिच गत दो वर्षो से जारी यह दूरी अब अलग-अलग बैठको से यह दूरी अब खाई बन गई है। इस कारण चुनावी क्षेत्र में चार-पांच गुट बन गया है।

इस गुटबाजी का नेतृत्व संभाले कुछ लोग प्रखर रूप से विधायक की टिकट कटवाने की जुगत लगा रहे है। तो कुछ अन्दर ही अन्दर सेधंमारी के प्रयास में है। पार्टी के जिला महासचिव गिरीश नन्दन मित्र के द्वारा आयोजित गत तीन माह पूर्व जन्म दिवस समारोह में विधायक विरोधी नेताओं के जमावड़े एवं बैठक में जारी बयान से मचा तुफान अभी धमा नही है। इसपर आधे दर्जन अल्प

संख्यक पार्टी नेताओं द्वारा की जा

रही है दावेदारी भी राजद के माई.

समीकरण द्विन्न करने को उतारू है।

ऐसे में विधायक सर्मथकों एवं विरोधीयों के बिच हो रही रस्साकसी राजद के भविष्य को माटियामेट कर सकती है।

१वद्दजन्ह्लद्यद्द्

सिगार, 117 दिसम्बर, 2004 1

हम भी हैं मैदान में कांटी क्षेत्र के लिए अभिशप्त बना कांटी थर्मल

राजद

* गुलाम जिलानी वारसी : विधायक अख्तर खान

- गिरीशनंदन मिश्र शब्बीर अंसारी

प्रो. भुनेश्वर राय

अजहर इकबाल दाऊदी -अशोक चौधरी (सकरा से) परवेज आलम -हैदर आजाद

लोजपा

-ई, अजीत कुमार

अकबर असी परवेज कांति सिंह

भाजपा

- अरविंद सिंह -शशि कुमार सिंह

कांग्रेस

"श्यामविहारी चौधरी,

-मंजू चौधरी

-चौधरी राशिद हुसैन जदयू

-विनोद ठाकुर, अरुण सिंह

अनिल चौबे

अन्य

मंगल यादव-प्रमुख इसके अलावा कई अन्य दावेदार हैं।

सम्राट कुमार

कांटी विधानसभा क्षेत्र बिसारा परगना के अन्तर्गत आता है। शासन द्वारा हमेशा विसरा यह क्षेत्र हमेशा अपने लिए घोषित वरदान के कारण अभिशापित होने के कारण जाना गया - है। इसकी आदिकाल से अभी तक की लम्बी दास्तान में कांटी थर्मल पावर स्टेशन भी एक महत्वपूर्ण कड़ी

है ।

किदवंतिया है कि रावण पर विजय एवं अयोध्या का शासन भ्रमण का कार्यक्रम बनाया। इस कार्यक्रम के दौरान श्री राम कुछ क्षेत्रो को घुमना भूल गयें। इसके बाद अयोध्यापति श्री राम के भ्रमण से वंचित क्षेत्र के लोगो ने इसकी शिकायत आयोध्यापति से की। इस पर उन्होने कहा कि जो क्षेत्र उनके भ्रमणप से वंचित रह गया है उसे विसारा के नाम से जाना जाएजगा और उस क्षेत्र में होनेवाले प्रकृतिक संपदा उसे विश्व प्रसिद्ध बनाएगी। यह वरदान तदउपरांत फलित हुआ । विसारा परगना का कुछ क्षेत्र कांटी विधानसभा लीची के उन्नत किस्मो

बरसाती मेढ़क हैं अन्य | उम्मीदवार : विधायक

प्रश्न- राजद

उम्मीदवार हैं ?

से दर्जनों

उत्तर-टिकट लालू जी बांटते है और मैं समझता हूं टिकट मुझे ही मिलेगा। अन्य उम्मीदवार बरसाती मेढ़क हैं उन्हें जनता पसंद नहीं करती है।

प्रश्न-साथी क्यों विरोधी हो गये ?

उत्तर- साधी ठेकेदारी नहीं मिलने के कारण विरोधी हो गये। जनता खुश है। काम के आधार पर वोट मिलेगा। प्रश्न- चुनावी वादा पुरा नहीं हुआ ?

उत्तर-अधिकांश वादा पूरा हुआ और जो बाकी है उसे

हर हाल में पूरा किया जायेगा।

के उत्पादन एवं मत्सय के क्षेत्र में रोजगार का अवसर। जो थोड़े बहुत थर्मल से निकाले गये 600 मजदूरों प्रसिद्ध हो गया। किंतु वर्ष 1980 में स्थापित कांटी थर्मल पावर स्टेशन के कारण यह वरदान अभिशाप में बदल गया।

सैकड़ो हेक्टेयर का कांटी झील थर्मल के अवशिष्ट पदार्थ हाई से भर गया। और सैकड़ो मल्लाह परिवार के रोजी-रोटी मारी गयी। इनता ही नही झील के बिच बसा कोढ़िया गांव का अदभूत आकर्षण अब हाई के बिच बिमारी का गावं बनकर रह गया है। अब तक इस गांव में हाई से होने वाली बीमारी से लगभग डेढ़ सौ बच्चे-बड़े कालकलवित हो गये और दर्जनों परिवार रोजी-रोटी की तलाश में पलायन कर चूके है ।

वर्तमान विधायक गुलाम जिलानी वासरी इसी गावं के है। उधर हाई के कारण लीची एवं अन्य फसलों के उत्पादन में भी लगातार ह्रास हो रहा है। चिराग तले अंधेरा की कहावत को चरितार्थ कर रहे कांटी थर्मल से न तो क्षेत्र के लोगों को बिजली की सुविधा मिल पाया नही

मैं तो अब भी विधायक हूं: अजीत

हूं।

प्रश्न- दो बार हार के बाद जीत का आसार ।

उत्तर-गत 18 वर्षों से जनता की सेवा में हूं। यही कारण है कि मैं अब भी विधायक हूं। क्योंकि जनता मुझे वैसा सम्मान देती है।

प्रश्न- किस दल से लड़ेगें ।

उत्तर- लोजपा सुप्रीमो का मैं घोषित प्रत्याशी

प्रश्न- लड़ाई में रहेंगे।

उत्तर- अब लड़ाई लालू बनाम पासवान की नहीं वरन् विकास बनाम विनाश की है। मै इस बार

प्रश्न- पूर्व चुनाव में प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी के पार्टी में आने : राजद प्रत्याशी को रिकार्ड मतों से हराऊंगा । से परेशानी बढ़ेगी।

उत्तर- परेशानी नहीं बढ़ेगी, जनता सब जानती - समझती है। प्रतिद्वंद्वी के क्रियाकलाप से जनता अवगत है सामाजिक न्याय के साथ है इसलिए कोई बाधा टिक नहीं पायेगा । प्रश्न- जीत का समीकरण

प्रश्न- जातिगत वोट मिलेगा ?

उत्तर- जो मेरे साथ है वहीं मेरा जात है। सभी जाति के लोग मेरे साथ हैं।

प्रश्न- पिछले चुनावों में हार का कारण उत्तर- वर्ष 1995 में चुनाव का अनुभव एवं उत्तर - मेरे द्वारा किया गया विकास, लालू जी का साथ : 2000 में क्षेत्र के मतदाता का दिग्भ्रमित होना । एवं सामाजिक न्याय व्यवस्था ।

राजद विरोधी मतो का विभाजन तय

कांटी के लिए अभिशप्त बना थर्मल पावर

लोग दैनिक वेतन भोगी की तरह थर्मल में कार्यरत थे उन्हें भी वर्ष 2004 के प्रथम दिन निकाल बाहर किया गया। अक्टूबर 2003 से बंद

आसन्न विधान सभा चुनाव में राजद के भीतरी मचे अकलह का फायदा अन्य दलों को होगा। इसकी संभावना काफो क्षीण दिखाई पड़ती है। माना जाता है कि क्षेत्र में आसन्न चुनाव लोजपा, भाजपा एवं अन्य सभी दलों की निगाह राजद विरोधी भूमिहार मतों पर टिकी है। वहीं टिकटों के दौर में अन्य दन्तों के संभावित उम्मीदवारों पर नजर डाली जाए तो अधिकांश भूमिहार समुदाय के ही हैं। ऐसे में हरेक दवार अपने व्यक्तिगत एवं राजनितिक पहुंच के कारण इस मतों के विभाजन को महार किंत गब्द विरोधी पर भी विभाजन से प्रभावित हो जाएगा। इससे राजद की अन्तकलह का वोट विभाजन के कारजद उसकी गंजाइश भी काफी कम दिखती है।

1952 से 1967 तक- 1967 से 1969 तक- 1969 से 1972 तक- 1972 से 1977 तक- 1977 से 1980 तक- 1980 से 1990 तक- 1990 से 1995 तक- 1995 से 2000 तक- 2000 से

को बोझ बताया गया, जबकि प्रतिमाह बोर्ड द्वारा 1 करोड़ रूपये अधिकारीयों का वेतन देते रहना इस चुनाव का अहम मुद्दा बन गया है।

1952 से अब तक

स्व. यमूना त्रिपाठी स्व, महेश प्रसाद सिंह स्व. हरिहर प्रसाद शाही प्रो. शंभू शरण ठाकुर स्व. ठाकुर प्रसाद सिंह प्रो. नल निरंजन सिंह प्रो. नल निरंजन सिंह मुफ्ती मो. कासिम गुलाम जिलानी वारसी

J

1

कांग्रेस

कांग्रेस

निर्दलीय

कांग्रेस

जनता पार्टी

एसयूसीआई

जनता दल जनता दल

राजद

कांटी क्षेत्र के बेरोजगारी, गरीबी, अशिक्षा, किसानों मजदूरों की समस्या भ्रष्टाचार मिटाने के कृत सकल्पनाओं

के साथ आपके सहयोग का

शुभेच्छु

अजहर इकबाल दाऊदी वरिष्ठ राजदनेता सह अध्यक्ष इंडियन ऑयल डीपो एसो. कांटी, मुजफ्फरपुर

कांटी एवं सकरा विधान सभा क्षेत्र में तमाम मतदाताओं

को

हिन्दुस्तान के परिशिष्ठ

पर दिंक बधाई ।

अशोक चौधरी

जिला पार्षद कांटी-**20**

मो. 9835266119